



Rajat



Charu

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121102201

पुल्लिंग :	लिंग	: स्त्रीलिंग
05/11/1996 :	जन्म तिथि	: 18/09/1996
मंगलवार :	दिन	: बुधवार
घंटे 07:15:00 :	जन्म समय	: 09:36:00 घंटे
घटी 01:19:19 :	जन्म समय(घटी)	: 08:36:21 घटी
India :	देश	: India
Hamirpur :	स्थान	: Jhansi
31:38:00 उत्तर :	अक्षांश	: 25:27:00 उत्तर
76:36:00 पूर्व :	रेखांश	: 78:34:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व :	मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
घंटे -00:23:36 :	स्थानिक संस्कार	: -00:15:44 घंटे
घंटे 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
06:43:16 :	सूर्योदय	: 06:02:51
17:30:58 :	सूर्यास्त	: 18:16:21
23:48:47 :	चित्रपक्षीय अयनांश	: 23:48:43
तुला :	लग्न	: तुला
शुक्र :	लग्न लग्नाधिपति	: शुक्र
सिंह :	राशि	: वृश्चिक
सूर्य :	राशि-स्वामी	: मंगल
मघा :	नक्षत्र	: विशाखा
केतु :	नक्षत्र स्वामी	: गुरु
3 :	चरण	: 4
ब्रह्म :	योग	: विष्कुम्भ
वणिज :	करण	: कौलव
मू-मुकेश :	जन्म नामाक्षर	: तो-तोरल
वृश्चिक :	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: कन्या
क्षत्रिय :	वर्ण	: विप्र
वनचर :	वश्य	: कीटक
मूषक :	योनि	: व्याघ्र
राक्षस :	गण	: राक्षस
अन्त्य :	नाड़ी	: अन्त्य
मूषक :	वर्ग	: सर्प

## ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी  
केतु 2वर्ष 9मा 4दि  
चन्द्र

11/08/2025

11/08/2035

चन्द्र	11/06/2026
मंगल	10/01/2027
राहु	11/07/2028
गुरु	10/11/2029
शनि	11/06/2031
बुध	10/11/2032
केतु	11/06/2033
शुक्र	09/02/2035
सूर्य	11/08/2035

अंश

राशि

ग्रह

राशि

अंश

विंशोत्तरी

गुरु 0वर्ष 10मा 2दि  
बुध

21/07/2016

22/07/2033

बुध	18/12/2018
केतु	15/12/2019
शुक्र	15/10/2022
सूर्य	22/08/2023
चन्द्र	20/01/2025
मंगल	17/01/2026
राहु	06/08/2028
गुरु	12/11/2030
शनि	22/07/2033

24:56:13	तुला	लग्न	तुला	18:27:49
19:06:34	तुला	सूर्य	कन्या	01:42:44
08:04:13	सिंह	चंद्र	वृश्चि	02:38:01
09:21:39	सिंह	मंगल	कर्क	11:22:38
21:00:20	तुला	बुध व	कन्या	00:27:03
19:39:19	धनु	गुरु	धनु	14:20:37
14:08:35	कन्या	शुक्र	कर्क	18:05:56
07:29:53	मीन व	शनि व	मीन	10:49:23
13:42:05	कन्या	राहु	कन्या	14:12:58
13:42:05	मीन	केतु	मीन	14:12:58
07:07:01	मक	हर्ष व	मक	07:01:32
01:24:16	मक	नेप व	मक	01:15:26
08:24:14	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	06:56:07

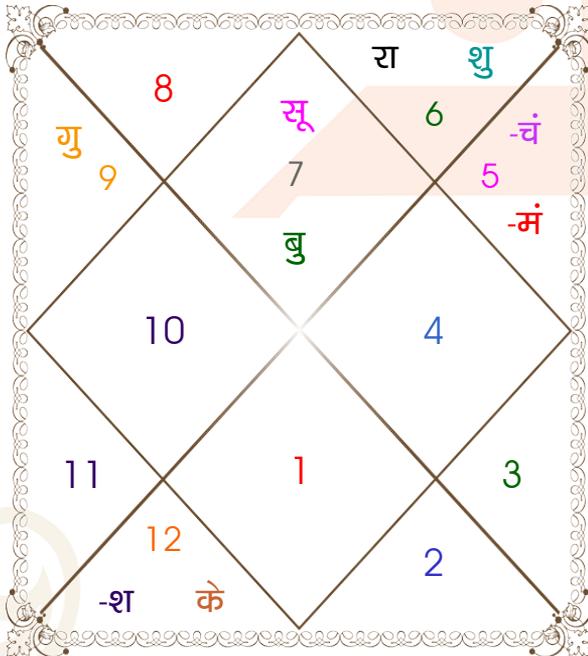
व - वकी स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

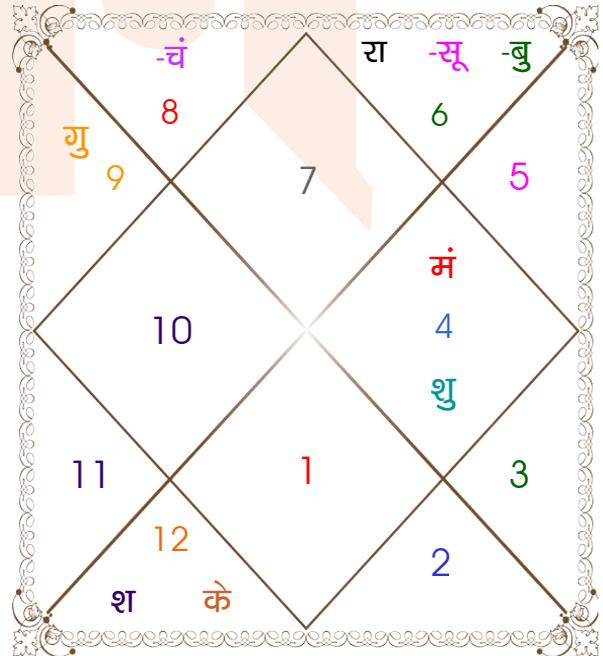
राहु : स्पष्ट

23:48:47 चित्रपक्षीय अयनांश 23:48:43

लग्न-चलित



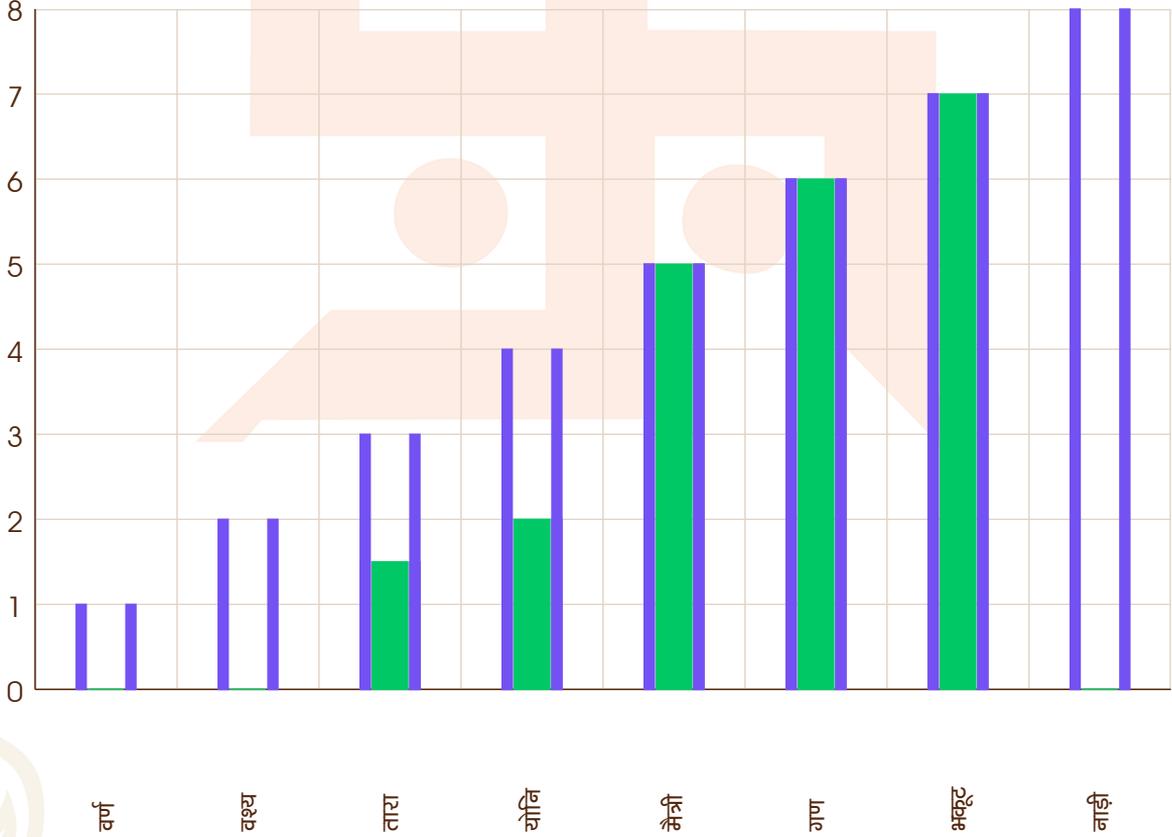
लग्न-चलित



## अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	वनचर	कीटक	2	0.00	--	स्वभाव
तारा	क्षेम	वध	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मूषक	व्याघ्र	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	सूर्य	मंगल	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	सिंह	वृश्चिक	7	7.00	--	जीवन शैली
नाडी	अन्त्य	अन्त्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
<b>कुल :</b>			<b>36</b>	<b>21.50</b>		

कुल : 21.5 / 36



## अष्टकूट मिलान

नाडी दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के नक्षत्र एवं राशियां भिन्न-2 है।

Rajat का वर्ग मूषक है तथा Charu का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Rajat और Charu का मिलान औसत है।

### मंगलीक दोष मिलान

Rajat मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

Charu मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में दशम् भाव में स्थित है।

Rajat तथा Charu में मंगलीक मिलान ठीक है।

### निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम है।

## अष्टकूट फलादेश

### वर्ण

Rajat का वर्ण क्षत्रिय तथा Charu का वर्ण ब्राह्मण है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। जिसके कारण दोनों के बीच सदैव अहं का टकराव होता रहेगा। साथ ही Charu हमेशा श्रेष्ठता मनोग्रंथि से ग्रस्त रहेंगी तथा स्वयं को अपने पति से हमेशा अधिक बुद्धिमान एवं चतुर समझेंगी। श्रेष्ठता की यही भावना Rajat एवं बच्चों के विकास में बाधक साबित हो सकती है।

### वश्य

Rajat का वश्य वनचर है एवं Charu का वश्य कीट है। जिसके कारण यह मिलान बिल्कुल अच्छा मिलान नहीं है। जिसके प्रभाववश Rajat एवं Charu के बीच कोई साम्यता एवं अनुकूलता नहीं रहेगी। दोनों में एक-दूसरे के प्रति शत्रुता की भावना बनी रहेगी तथा विवाह के उपरांत दोनों का समय एक-दूसरे के साथ लड़ते-झगड़ते, शिकवा-शिकायत करते तथा परस्पर आरोप-प्रत्यारोप करते हुए बीतने की संभावना बनी रहेगी। इनका जीवन कष्टपूर्ण तथा परिवार से सुख, शांति एवं सौहार्द नष्ट होने की संभावना बनी रहेगी। भविष्य इनके बच्चे भी नाकामयाब एवं आक्रामक हो सकते हैं।

### तारा

Rajat की तारा क्षेम तथा Charu की तारा वध है। Charu की तारा वध होने के कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। ऐसे में यह विवाह Rajat एवं Charu दोनों के लिए दुर्भाग्य के द्वार खोल सकता है। Charu अपने पति एवं उसके परिवार के लिए दुर्भाग्यशाली साबित हो सकती है। अतः संभव है कि घर में निरंतर दुःखदायी घटनाओं का क्रम चलता रहे। जिससे घर में दुःख एवं पीड़ा के वातावरण का निर्माण हो सकता है। ऐसी स्थिति में बच्चे भी काफी कष्ट भुगत सकते हैं तथा सफलता प्राप्ति के लिए उन्हें कड़ी मेहनत करनी पड़ सकती है।

### योनि

Rajat की योनि मूषक है तथा Charu की योनि व्याघ्र है। अर्थात् दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात् सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैध संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव भी हो सकता है। बात-बात में दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या कन्या में से कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता

है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात् मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात् धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

### मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Rajat एवं Charu दोनों के राशि स्वामी परस्पर मित्र हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्यातिष की दृष्टि से यदि Rajat एवं Charu के राशिस्वामी परस्पर मित्र होने के कारण इसे अति उत्तम मिलान माना जाता है। जिसके कारण Rajat एवं Charu जीवन की हर खुशी एवं सुख प्राप्त करने में सफल होंगे तथा इनमें परस्पर विश्वास, प्रेम, समझ एवं सहयोग की भावना बनी रहेगी। साथ ही हर प्रकार की सुख-सुविधाओं एवं वैभव से परिपूर्ण होंगे।

### गण

Rajat का गण राक्षस है तथा Charu का गण भी राक्षस है। अर्थात् Charu का गण Rajat के गण के समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान रहेगा। जिसके कारण Rajat एवं Charu दोनों के स्वभाव, विचार तथा पसंद-नापसंद एक जैसे होंगे। यद्यपि कि दोनों के स्वभाव क्रूर, निष्ठुर एवं असंवेदनशील होंगे किंतु फिर भी एक-दूसरे के लिए ये अति अनुकूल एवं आदर्श साबित होंगे।

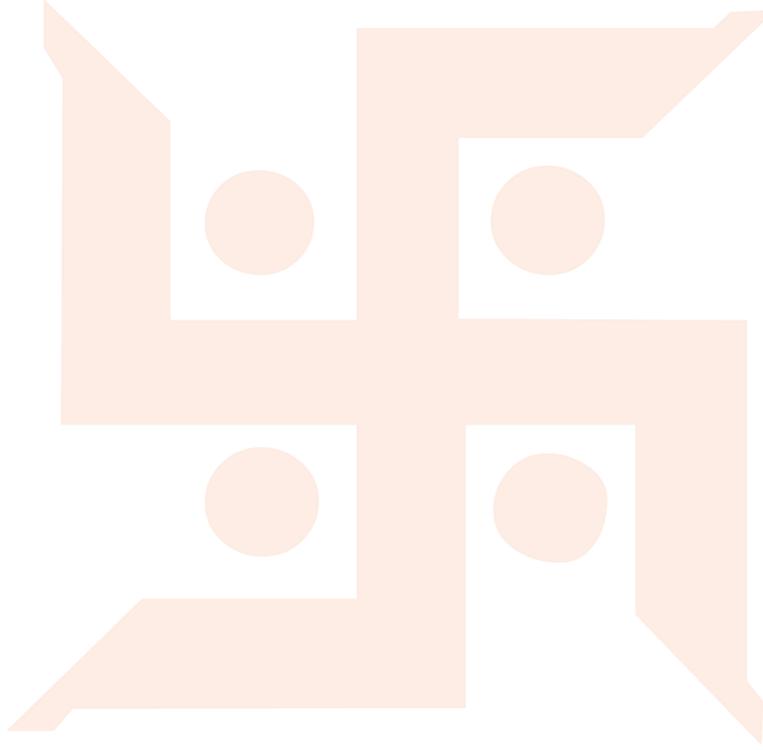
### भकूट

Rajat से Charu की राशि चतुर्थ भाव में स्थित है तथा Charu से Rajat की राशि दशम भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण Rajat परिश्रमी एवं अपने व्यवसाय में काफी अच्छे होंगे। अपने व्यवसाय में लगन, निष्ठा एवं मेहनत के कारण उन्हें सभी से प्रशंसा प्राप्त होती रहेगी। दूसरी ओर Charu घरेलू होंगी। अपने आतिथ्य भाव एवं सब का ध्यान रखने तथा बड़ों को सम्मान देने की प्रवृत्ति कारण परिवार के सदस्यों की आंखों का तारा होंगी। पति-पत्नी के बीच असीम प्रेम, सहयोग एवं सामंजस्य बना रहेगा।

### नाड़ी

Rajat की नाड़ी अन्त्य है तथा Charu की नाड़ी भी अन्त्य है। अर्थात् दोनों की नाड़ी समान है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोषपूर्ण है। अर्थात् यह मिलान अच्छा मिलान

नहीं है। Rajat एवं Charu की एक ही नाड़ी अन्त्य होने के कारण शरीर में श्लेष्मा की अत्यधिक वृद्धि होने की संभावना है। जोकि भावी दम्पत्ति के लिए खतरे की सूचक हैं। जिसके प्रभाववश संतान की मृत्यु भी संभव है। आपको श्वास की तकलीफ, दमा जैसी बीमारियां तथा कमजोर स्वास्थ्य का सामना करना पड़ सकता है। आपकी संतान मानसिक रोग, सुस्त विकास एवं निम्न बौद्धिक स्तर की शिकार हो सकती हैं।



# मेलापक फलित

## स्वभाव

Rajat की जन्म राशि अग्नि तत्व युक्त सिंह तथा Charu की राशि जलतत्व युक्त वृश्चिक राशि है। Rajat और Charu के मध्य स्वाभाविक समानता रहेगी फलतः दाम्पत्य जीवन विशेष सुखी रहेगा। अतः मिलान उत्तम रहेगा।

Rajat की जन्म राशि का स्वामी सूर्य तथा Charu की जन्म राशि का स्वामी मंगल परस्पर मित्र हैं। अतः इसके प्रभाव से इनका जीवन सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा तथा आपसी संबंधों में भी मधुरता रहेगी। एक दूसरे के गुणों की Rajat और Charu प्रशंसा करेंगे तथा सच्चे मित्रों की भांति कमियों की उपेक्षा करेंगे। साथ ही परस्पर आकर्षण सम्मान एवं सहानुभूति का भाव विद्यमान रहेगा जिससे वैवाहिक जीवन की मधुरता बनी रहेगी।

Rajat और Charu की राशियां परस्पर चतुर्थ एवं दशम भाव में पड़ती है। शास्त्रानुसार यह शुभ भकूट माना जाता है। इसके प्रभाव से Rajat और Charu सांसारिक सुखों का आनंद पूर्वक उपभोग करेंगे एवं सुख संसाधनों की प्राप्ति में भी इनकी आपकी रुचि रहेगी। मानसिक रूप से Rajat और Charu के मध्य समानता रहेगी तथा एक दूसरे को समझने में समर्थ रहेंगे। अतः एक दूसरे की इच्छाओं को जानकर अनूकूल व्यवहार करके सुखमय जीवन व्यतीत होगा।

Rajat का वश्य वनचर तथा Charu का वश्य कीट है वनचर एवं कीट के मध्य नैसर्गिक शत्रुता एवं विषमता होने के कारण इनकी अभिरुचियों में विभिन्नता रहेगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर आवश्यकताएं विषम रहेंगी। अतः काम संबंधों में एक दूसरे को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट करने में असमर्थ रहेंगे।

Rajat का वर्ण क्षत्रिय तथा Charu का वर्ण ब्राह्मण है। अतः इसके प्रभाव से Rajat पराकमी एवं साहसिक कार्य करने वाले होंगे। परन्तु Charu की प्रवृत्ति शैक्षणिक एवं धार्मिक कार्यों में रहेगी

## धन

Rajat और Charu दोनों की तारा परस्पर सम है। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई विशेष प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य गति से धन एवं लाभ अर्जित करने में दोनों तत्पर रहेंगे। भकूट भी सम ही रहेगा जिससे उनके लाभमार्ग स्वबुद्धिमता एवं परिश्रम से प्रशस्त रहेंगे। मंगल का भी उनकी आर्थिक स्थिति पर कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा। इस प्रकार उनके अर्थिक स्तर पर कोई विशेष नाटकीय परिवर्तन की संभावना नहीं होगी परन्तु सामान्य जीवन धनऐश्वर्य से युक्त होकर व्यतीत होगा।

इसके साथ ही कोई विशेष या अचानक लाभ के योगों में भी न्यूनता होगी तथा आर्थिक स्तर अपने ही अनुकूल रहेगा जिससे वे आर्थिक रूप से सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे।

## स्वास्थ्य

Rajat तथा Charu दोनों की ही अन्त्य नाड़ी है। अतः दोनों नाड़ी दोष से पीड़ित रहेंगे इसके प्रभाव से इनका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर शारीरिक अस्वस्थता के कारण सांसारिक महत्व के कार्यों को करने में परेशानी की अनुभूति होगी। इससे Charu को गले से संबधित कोई परेशानी हो सकती है तथा कफ या वात संबंधी कष्ट का भी सामना करना पड़ेगा। लेकिन मंगल का इन पर कोई विशेष दुष्प्रभाव नहीं रहेगा। अतः रोग की गंभीरता से बचाव रहेगा लेकिन समय समय पर न्यूनाधिक कष्ट की इन्हें अनुभूति होती रहेगी। इसके अतिरिक्त Charu को यदा कदा यौन संबंधी गुप्त रोगों का भी सामना करना पड़ सकता है। अतः सुखी दाम्पत्य जीवन की दृष्टि से यह मिलान अच्छा नहीं रहेगा जिससे इसकी यत्नपूर्वक उपेक्षा करनी चाहिए।

## संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से Rajat और Charu का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त Rajat और Charu के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में Charu के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन Charu को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में Charu को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुंदर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से Rajat और Charu सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरुद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार Rajat और Charu का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

## ससुराल-सुश्री

Charu के अपने सास से संबध सामान्य ही रहेंगे तथा विशिष्ट मधुरता के भाव की समय समय पर न्यूनता का आभास होगा परन्तु आपसी सामंजस्य से किंचित अनुकूलता इसमें बनाए रखने में दोनों समर्थ रहेंगे। यदा कदा इनके मध्य मतभेद तथा तनाव भी उत्पन्न होगा परन्तु यह क्षणिक होगा एवं गंभीर नहीं होगा। साथ ही Charu सास को अपने माता के समान सेवा तथा सम्मान प्रदान करेंगी।

अपने विनम्र स्वभाव सामंजस्य की प्रवृत्ति तथा सेवा भाव के कारण ससुर की

प्रसन्नता एवं सन्तुष्टि अर्जित करने में समर्थ रहेंगी। लेकिन देवर एवं ननदों से संबंधों में तनाव रहेगा तथा आपस में आलोचना तथा प्रतिद्वन्दिता का भाव विद्यमान रहेगा परन्तु यदि Charu किंचित धैर्य एवं सामंजस्य से कार्य ले तो इनसे संबंधों में मधुरता उत्पन्न हो सकती है तथा वे भी Charu को यथोचित सम्मान एवं सहयोग प्रदान करेंगे।

इस प्रकार सास ससुर का दृष्टि कोण Charu के प्रति सामान्यतया अच्छा रहेगा एवं परिवार के सदस्य के रूप में वे उसे स्वीकार करेंगे।

### ससुराल-श्री

Rajat की अपनी सास से संबंधों में मधुरता रहेगी। साथ ही उनके प्रति श्रद्धा सम्मान एवं सहयोग का भाव रहेगा। Rajat सपत्नीक समय समय पर ससुराल के लोगों से मिलने जाया करेंगे जिससे आपसी संबंधों में मधुरता की वृद्धि होगी। साथ ही Rajat का व्यवहार उनके प्रति विनम्रता से युक्त रहेगा।

ससुर के साथ भी Rajat के संबंधों में मधुरता का भाव रहेगा। साथ ही इन दोनों के मध्य दामाद ससुर की अपेक्षा पिता पुत्र का भाव अधिक रहेगा। Rajat भी समय समय पर अपने समस्याओं के समाधान के लिए ससुर से सलाह लेते रहेंगे लेकिन साले तथा सालियों से संबंध विशेष अच्छे नहीं रहेंगे तथा उनसे यथोचित सम्मान तथा सहयोग की प्राप्ति अल्प मात्रा में ही होगी।

इस प्रकार ससुराल के लोगों का दृष्टिकोण Rajat के प्रति अनुकूल रहेगा जिससे उनके आपसी संबंध अनौपचारिक रहेंगे।